Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 04-12-2006

Participants : Oraon Shri Rameshwar

an>

Title: Need to include `Kudukh' language to the Eighth Schedule of the Constitution.

डॉ. रामेश्वर उरांव (लोहरदगा): महोदय, भारत में अनेक जनजातियां हैं, जिनकी अपनी भाषा है। इन भाषाओं की उन्नति, समृद्धि नहीं हो पा रही है, क्योंकि इन्हें सरकारी संरक्षण प्राप्त नहीं हो पा रहा है, जैसा कि अन्य भाषाओं को मिल रहा है।

भारत की प्रमुख जनजाति में उरांव अनुसूचित जनजाति का स्थान है। इनकी भाषा कुडुख भाषा है। इसकी गिनती द्रविड़ फैमिली की भाषा में होती है। यह झारखंड, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, त्रिपुरा, असम, महाराट्र आदि राज्यों में बसे उरांव जनजाति के लगभग एक करोड़ लोगों की भाषा है। इसकी अपनी लिपि नहीं है, लेकिन इस भाषा के लोग इसके लिखने के लिए देवनागरी भाषा का उपयोग करते हैं। इस भाषा का संरक्षण, संवर्धन आवश्यक है, अन्यथा यह लुप्त हो जायेगी।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि इसे संविधान की अनुसूची आठ में शामिल किया जाये।